व्यर्थ खर्चों को रोकने के उपाय सुझाने के लिए समिति

*279 श्री मूल चन्द डागा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे में हो रहे भारी घाटे को देखते हुए गैर-योजना खर्चों को कम करने के लिये क्या प्रारंभिक उपाय किये गये हैं तथा अब इस खर्च में कितनी कमी की गई है, और

(ख) क्या सरकार का विचार कभी कोई ऐसी समिति नियुक्त करने का है जो रेलवे में व्यर्थ खर्चों को रोकने के उपायों का सुझाव दे सके ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) and (b) A statement is placed on the Table of the Sabha

Statement

(a) Vigorous measures have been taken to effect economy in railway expenditure. Suitable *ad hoc* cuts were imposed during 1973-74 on such items as 'contingencies', 'travelling allowance', 'daily allowance', and 'petrol consumption'. Similarly, expenditure was sought to be curtailed by applying a complete ban on creation and filling up of all gazetted posts, limited creation of non-gazetted posts and non-filling up of vacancies for more than six months, reduction in the holding of conferences and seminars, restrictions on official entertainments, and use of staff cars, avoidance of ostentatious expenditure of all kinds including expenditure on renovation of buildings, reduction in expenditure on air travel etc. A system of 'exchequer control' was also introduced to control cash disbursement in accordance with the budget schedule As a result of these measures, a reduction of about Rs. 17 crores is anticipated in the working expenses of the Railways during 1973-74.

(b) There is no such proposal under Government's consideration.

श्री मूल चन्द डागा : अध्यक्ष महोदय, कुरैशी साहब ने बड़े जोर से स्टेटमेन्ट दिया कि रेलवे व्यय में मितव्ययता लाने के लिए जोरदार उपाय किये जा रहे हैं। यह स्टेटमेन्ट बड़ा जोरदार है। अब आप यह बतलाइये कि जो आप का रेलवे बोर्ड है उस में प्रशासनिक खर्चा कितना है और उसके अन्दर मेम्बर साहबान के रहने की सुविधायें सैलून में घूमने की सुविधायें इन सब में आप ने कितनी मितव्ययता बरती है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरैशी : रेलवे बोर्ड के बारे में हमेशा ही शिकायत रहती है लेकिन मैं आप को बतलाना चाहता हूँ कि रेलवे बोर्ड के मेम्बर्स ने अपनी जिन्दगी रेलवे के साथ ही वाबस्ता कर रखी है और इन की हमेशा यही कोशिश रहती है कि जहां तक किफायत हो सके की जाये। अभी हाल में रेलवे बोर्ड में एक छोटा सा ओवर टाइम कम करने से तकरीबन 1.77 लाख रुपये की बचत हुई है। इस लिये रेलवे बोर्ड में बचत करने की पूरी कोशिश की जा रही है।

श्री मूल चन्द डागा : मेरा प्रश्न था कि इन का प्रशासनिक खर्चा कितना है और उस में कितनी मितव्ययता की गई है। उन के बंगला की मेन्टेनेन्स सैलून में घूमने के तरीका में कितनी कमी की गई है। मेरा सवाल यह था लेकिन जवाब कुछ और दिया जा रहा है।

श्री मुहम्मद शफी कुरैशी : जहां तक सैलून का ताल्लुक है अब तो सैलून नहीं रहे। इन्स्पेक्शन कैरिज हैं जिन का इस्तेमाल कम से कम किया जाता है और खास ड्यूटी पर जाना हो तब किया जाता है। आम तौर से जितने सैलून हैं उन का इस्तेमाल प्रेजिडेन्ट और गवर्नर्स के लिये वक्फ कर रखा है। जहां तक मकानों की सुविधा का सवाल है यह कोई नई चीज नहीं है पहले से उनको यह सुविधा दी गई है इसमें हम कोई कटौती नहीं करना चाहते हैं।

श्री मूल चन्द डागा : पब्लिक एकाउन्ट्स कमेटी और सब ने आप की रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स को जिस पर करोड़ों रुपया खर्च होता है वेस्टफुल एक्सपेंडिचर माना है और यह भी माना है कि इस से कोई लाभ नहीं होता है इस को हटाना या कम करना चाहिये क्योंकि आप को हर मौके पर स्टेट्स की पुलिस की मदद लेनी पड़ती है – इस पर आप का क्या कहना है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स को हटाने का सवाल पैदा नहीं होता बल्कि उस में कुछ बढ़ोत्तरी करने का हमारा विचार है।

SHRI G. VISWANATHAN: would like to know from the Minister the percentage of administrative cost compared to the total expenditure on the railways per annum.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The staff cost is about 60 per cent of the total expenditure.

श्री शंकर दयाल सिंह : इस प्रश्न के दो भाग है क और ख। क का जवाब दिया है लेकिन ख में लिखा है कि क्या आप कोई ऐसी समिति गठित करेंगे जो रेलवे को यह सुझाव दे कि खर्चे मे कैसे कमी की जा सकती है। क्या आप इस पर कुछ प्रकाश डालेंगे ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : इस पर पहले ही पी० ए० सी० और कन्वेन्शन कमेटी गौर कर चुकी हैं इस लिये अलेहदा कोई कमेटी बनाने का सवाल पैदा नहो होता।

SHRI P. G. MAVALANKAR: Without going into the question of the Railway Board—its abolition or continuance—may I know whether the Government are taking any active and concrete steps with regard to the reduction of expenditure on the railways without loss of efficiency and which will be in tune with the conditions obtaining in this country especially with regard to travelling by air-conditioned coaches and saloons, etc.?

MR SPEAKER: You are just repeating the previous question.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: I have replied to the question already.

SHRI DINESH CHANDRA GOSWAMI: Since one of the reasons for wasteful expenditure is the lack of coordination in the movement of wagons, because in some places you find scarcity of wagons and in some places the wagons are lying waste, may I know what steps the Government are taking for co-ordinating the movement of wagons to remove wasteful expenditure?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: It is a suggestion for action.

SHRI SAMAR GUHA: Is it a fact that a committee was set up under the chairmanship of Acharya Kripalani when he was a Member of this House to go into the question of corruption and wasteful expenditure in the Railways and that the committee made certain recommendations? Had the Government implemented any of those recommendations?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: need notice for this question.

श्री मुहम्मद इस्माइल रेलवे में जो बहुत सी बेकार की चीजे है जिन पर खर्चे को कम करने की जरूरत है। आप इन खर्चों को कम करने के बारे में किन लाइन्ज पर सोच रहे हैं — क्या इण्डियन एयर लाइन्ज के लाल साहब की तरह से सोच रहे हैं या कोई नई स्कीम तैयार कर रहे हैं जिससे की खर्चे को कम किया जा सके ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : कोई नई स्कीम तो नही बनी है इस के लिए स्कीमे तो पहले से ही मौजूद हैं। इस सिलसिले मे रेलवे का एप्रोच यह है कि जब तक सारे स्टाफ का इन्वाल्वमेंट नहीं होगा तब तक एक्सपेन्डिचर कम नही होगा। हमारी कोशिश यह है कि बजाय इसके कि सर्कुलर्स इशू किये जाय आर्डर्स निकाले जाय उसमे स्टाफ का इन्वाल्वमैंट हो ताकि खर्चे मे कमी हो सके।

SHRI S. M. BANERJEE: My hon. friend Samar Guha asked about the recommendations of a committee headed by Acharya Kripalani. Is he aware that Shri Kripalani resigned from that Committee stating that had he remained in that Committee he would have been corrupted and is that the reason why the recommendations were not implemented? He made a statement in this House explaining why he resigned from that committee.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: asked for notice for that question.